एन० टी० सी (उ० प्र०) लि० के निबल लाभ/घाटे

क्र०सं०	विवरण	1991–92
		अनन्तिम घाटे (करोड़ रु० में)
6.	मयूर मिल्स, कानपुर	–7.17
7.	न्यू विक्टोरिया मिल्स, कानपुर	–7.70
8.	लोर्ड कृष्णा टेक्सटाइल मिल्स, सहारनपुर	–2.13
9.	स्वदेशी काटन मिल्स, नैनी	–9.83
	योग	–35.39
(ख)	प्रबंधित मिलें	
1.	लक्ष्मी रतन काटन मिल्स, कानपुर	–14.67
2.	अर्धेटन मिल्स, कानपुर	–12.01
		–26.68
	कुल योग	–62.07

पटसन की बोरियों का भंडार

2658. **श्री वीरेन्द्र जे० शाह :**
डा० जिनेन्द्र कुमार जैन :

क्या वस्त्र मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का ध्यान दिनांक 12 जून, 1992 के "फाइनेन्शियल एक्सप्रेस" "जूट इंडस्ट्री टू सीक गवर्नमेन्ट हेल्प फार नेगोशियेशन" शीर्षक से छपे समाचार की ओर दिलाया गया है ;

(ख) यदि हां, तो क्या यह सच है कि देश में प्रतिमाह लगभग 8000 टन पटसन की बोरियों का उत्पादन खपत से अधिक होता है ;

(ग) यदि हां, तो जून, 1992 की स्थिति के अनुसार देश में पटसन की बोरियों का कुल कितना भंडार था; और

(घ) सरकार ने भंडार के समुचित उपयोग के लिए क्या व्यवस्था की है ?

वस्त्र मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री अशोक गहलोत) : (क) जी हां।

(ख) पटसन बोरों के उत्पादन और खपत में अलग-अलग महीने अन्तर रहता है। ऐसा अनुमान है कि जून, 1992 में पटसन बोरों का उत्पादन खपत से 8000 टन अधिक रहा।

(ग) ऐसा अनुमान है कि जून, 1992 के अन्त तक पटसन मिलों के पास 43,000 टन पटसन बोरे पड़े हुए थे।

(घ) परम्परागत मन्दी के मौसम के अन्त तक पटसन बोरों के उत्पादन और खपत के बीच अस्थाई असन्तुलन को दूर कर लिया जाएगा : क्योंकि डी जी एस एण्ड डी ने खरीफ की खरीद के लिए अपनी पैकेजिंग आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए बी ट्विल पटसन बोरों की खरीद पहले ही से शुरू कर दी है तथा स्वतंत्र देशों के राष्ट्र मण्डल तथा अन्य क्षेत्रों को निर्यात में वृद्धि होने की भी आशा है।

Survey of handlooms in Bihar

2659. SHRI S. S. AHLUWALIA: Will the Minister of TEXTILES: be pleased to state:

(a) whether Government have made any survey about the existing handlooms in the State of Bihar;

(b) if so, what are the details thereof;

(c) whether Government have also made any survey about such handlooms which are actually working in the State and also about those hand. looms which have been abandoned by their weavers and migrated to other places or' which have been impounded by the. money lenders in the State;

(d) if so, what are the details there-of; .

(e) if answers to parts (a) and (c) above in the negative, whether Gov. eminent purpose to undertake such a survey in the near future in the State of Bihar- and

(f) if not, the reasons therefor?

THE MINISTER OF STATE OF THE' MINISTRY OF TEXTILES (SHRI ASHOK GEHLOT): " (a) Yes, Sir.

(b)-' According to the handloom census conducted in 1987-88, there are 82,659-handlooms spread in '67,187 weaver households in Bihar. Majority of these looms are engaged in the production of cotton items. These are 2,39,510 weavers (both full time and past Wine) engaged in the Pre-pratory and weaving activities in the State. The overage productivity in the State is 11.79 metre per day per loom.

(c) and (d) The Handloom Censusr interalia, revealed that Census inter-alia revealed that thert are 9692 looms which had remained idle for atleast one year preceding the day of census ensumeration. The cause for idleness has not, however, been recorded during the enumeration.

(e) and (f) Do not arise.

Request for budgetary support to NIC and BIOL, Kanpur

2660. SHRI SYED SIBTEY RAZI: Will the Minister of TEXTILES be pleased to state:

(a) whether Government have been requested to review the decision for withdrawal of budgetary support to the mills of National Textile Corporation and British India Corporation Limited in Kanpur;

(b) if so, what are the details there, of;

(c) whether Government have taken any action on these requests so far; and

(d) if so, the details thereof; and

(e) if not, the reasons therefor?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF TEXTILES (SHRI ASHOK GEHLOT): (a) and "(b)* Governmeni have not with drawn budgetary support to National Textile Corporation and British ihdia Corporation.

(c) to (e) Do not arise.